

# महाविद्यालय खरसिया में शिक्षकों के लिए व्यावसायिक विकास कार्यक्रम हुआ संपन्न

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क  
patrika.com

खरसिया। शिक्षकों के लिए व्यावसायिक विकास कार्यक्रम के तहत 18 मई 2021 को डॉ. रमेश टण्डन हिन्दी विभागाध्यक्ष व नेक समन्वयक के मुख्य संयोजन एवं आई क्यू. ए सी समन्वयक मनोज साह के तकनीकी संयोजन में शामिली महान्ता गांधी अधिकारी तकोन्तर महाविद्यालय में कला सकार के विषयों को प्रभावशाली तरीके से कैसे पढ़ाए विषय पर ऑनलाइन गुणल मीट के माध्यम से बैंकिनार सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम की अवक्षता कर रहे प्राचार्य डॉ. वीसी धृतलहरे के द्वारा वक्ताद्वय डॉ. साधना खरे प्राच्यापक शासकीय इंडियन स्नातकोन्तर महाविद्यालय कौरबा एवं डॉ. कल्पना मिश्रा सहायक प्राच्यापक हिन्दी शासकीय दू. व. महिला महाविद्यालय रायपुर के

## सवालों का दिया जवाब

कार्यक्रम के दौरान आई क्यू. ए सी समन्वयक मनोज साह ने वक्ताद्वय के वक्तव्य विस्तोपण भी प्रस्तुत किया। प्रतिभागियों की शक्तिओं व प्रश्नों का समाधान वक्ताओं के द्वारा किया गया, साथ ही प्रतिभागियों से महत्वपूर्ण सुझाव भी आए।

कार्यक्रम के दौरान एमएल धीरही, डॉ. पीएल पटेल, डॉ. सुशीला गोयल, सरला जोगी, अरवनी पटेल, काशीर एक्सा, पवन वेतानी, जुवेल

केरकेटा, शिवाकाति इजारदार, जयशम कुर्ले, दिनेश संजय, दुष्यंत भोई, रीता सिंह, डॉ. मी. तलाहा, डॉ. आकोंशा मिश्रा, वियका राठौर, अर्जुन झा, डिम्पल असावल, लैनदास मानिकपुरी सहित लगभग 48 प्राच्यापकों, प्राचार्यों की गरिमामयी औनलाइन उपस्थिति रही। डॉ. आरके टण्डन ने कार्यक्रम का संचालन एवं एमके साह ने आभार व्यक्त किया।

स्वागतोपरान्त, अग्रणी महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अंजनी तिवारी ने विषय की सार्थकता और आवश्यकता पर प्रकरण डालते हुए प्रतिभागियों को सम्मोहित किया। डॉ. टण्डन के द्वारा वक्ताओं का सम्मान परिचय उद्घाधन के पश्चात वक्ताओं ने विषय पर गठन और व्यापक व्याख्यान प्रस्तुत किया।

अपने सारगर्भित उद्घाधन में समाजशास्त्री डॉ. साधना खरे ने भारतीय शिक्षा में गौरवशाली पक्षों को उभारा। उन्होंने कहा कि शिक्षक को बहुविज्ञ होना चाहिए, छात्रों की परिस्थिति को समझें, समझौटे बनाएं, शिक्षक की प्रत्येक गतिविधि का छात्रों पर प्रभाव पड़ता है, इसलिए का व्यक्तित्व उत्कृष्ट होना चाहिए। डॉ.

## प्रभावशाली तरीकों पर दिया बल

द्वितीय मुख्य वक्ता लेखिका डॉ. कल्पना मिश्रा ने आव्यापन के प्रभावशाली तरीकों पर विशेष बल देते हुए आव्यापन की विभिन्न शैलियों एवं तकनीकी पर प्रकाश डाला। उन्होंने शिक्षक के आंतरिक व बाह्य गुण, आत्मानुशासन, नैतिक मूल्य, सामूहिक कार्य, नेतृत्व क्षमता पर भी ध्यान आकृष्ट किया। शिक्षकों के लिए आयोजित यह कार्यक्रम पूर्णतः सार्वकाम, उपयोगी एवं शिक्षकों को ऊर्जावान बनाने में उत्तमाहवादीक, प्रेरक रहा। शिक्षकों में नई ऊर्जा का संचार हुआ एवं नई तकनीकी के ज्ञान का प्रसार हुआ।

खरे ने पहिले जी और बस परिचालक तथा प्राच्यापक और उद्योगपति की कलानी के माध्यम से शिक्षक के भूमिका को रेखांकित किया।

ता

नेमा  
स्थ  
रत  
का  
है।  
ने  
रत  
मी  
हैं।  
के  
ने में  
हम  
कि  
में  
नए  
ने  
ई  
गा  
ड़ी  
ना

## महाविद्यालय खरसिया में शिक्षकों के लिए व्यावसायिक विकास कार्यक्रम सम्पन्न

रायगढ़ @किरणदत्त

शिक्षकों के लिए व्यावसायिक विकास कार्यक्रम के तहत 18 मई 2021 को डॉ० रमेश टण्डन हिन्दी विभागाध्यक्ष व नैक समन्वयक के मुख्य संयोजन एवं आई क्यू ए सी समन्वयक मनोज साहू के तकनीकी संयोजन में शासकीय महात्मा गांधी खंडतोक्षर महाविद्यालय में "कला संकाय के विषयों को प्रभावशाली तरीके से कैसे पढ़ाएं" विषय पर ऑनलाइन गूगल भीट के माध्यम से वेबिनार सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्राचार्य डॉ० पी सी धूलिहरे के द्वारा वकाफ्य डॉ० साधना खेरे प्राच्यापक शासकीय ई० वि० स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोरबा एवं डॉ० कल्पना मिश्रा सहायक प्राच्यापक हिन्दी शासकीय दू० च० महिला महाविद्यालय रायपुर के स्वयंसेवानात, अग्रणी महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ० अंजनी तिवारी ने विषय की

सार्थकता और आवश्यकता पर प्रकाश छालते हुए प्रतिभागियों को सम्मोहित किया। डॉ० टण्डन के द्वारा वकाओं का सम्मान परिचय उद्घोषन के पश्चात् वकाओं ने विषय पर गहन और व्यापक



तथा 'प्राच्यापक और ड्योगपति' कहानी के माध्यम से शिक्षक के भौमिका को रखा कि त किया। हिन्दीय मुख्य वकालतिका डॉ० कल्पना मिश्रा ने अध्यापन के प्रभावशाली

नई तकनीकी के ज्ञान का प्रसार हुआ।

कार्यक्रम के दौरान आई क्यू ए सी समन्वयक मनोज साहू ने वकाफ्य का वकाल विश्लेषण भी प्रस्तुत किया। प्रतिभागियों की शकाओं व प्रश्नों का समाधान वकाओं के द्वारा किया गया, साथ ही प्रतिभागियों से महत्वपूर्ण सुझाव भी आए। कार्यक्रम के दौरान एम एल धीरही, डॉ० पी एल पटेल, डॉ० सुशीला गोयल, सरला जोगी, अर्थनी पटेल, काशमीर एक्स, पवन चेतानी, जुवेल केरकेटा, शिवाकांत इजारदार, जयराम कुरें, दिनेश संजय, दुष्यंत भोई, रीता सिंह, डॉ० मो० तलहा, डॉ० आकांक्षा मिश्रा, प्रियंका रायटर, अर्जन झा, डिम्पल अग्रवाल, लेनदास मानिकपुरी सहित लगभग 48 प्राच्यापकों प्राचार्यों की गरिमामयी ऑनलाइन उपस्थिति रही। डॉ० आर के टण्डन ने कार्यक्रम का संचालन एवं एम के साहू ने आभार व्यक्त किया।

उनांचल में भी जल्द जल्द

टिकेक्स प्लेट ने 10 ती में 0८८ ऐ रक्कार सफलता हासिल कर निजा गोगन्निता।

# शिक्षकों के लिए व्यवसायिक विकास कार्यक्रम संपन्न

रायगढ़। शिक्षकों के लिए व्यवसायिक विकास कार्यक्रम के तहत 18 मई को डॉ. रमेश टण्डन हिन्दी विभागाध्यक्ष व नैक समन्वयक के मुख्य संयोजन एवं आईक्यूएसी समन्वयक मनोज साहू के तकनीकी संयोजन में शासकीय महात्मा गांधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय में कला संकाय के विषयों को प्रभावशाली तरीके से कैसे पढ़ाएं विषय पर ऑनलाइन गूगल मीट के माध्यम से बेबीनार सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्राचार्य डॉ. पीसी घृतलहरे ने वक्ताद्वय डॉ. साधना खरे प्राध्यापक शासकीय ई. वि. स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोरबा एवं डॉ. कल्पना मिश्रा सहायक प्राध्यापक हिन्दी शासकीय दू. ब. महिला महाविद्यालय रायपुर के स्वागतोपरान्त, अग्रणी महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अंजनी तिवारी ने विषय की सार्थकता और आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए प्रतिभागियों को सम्बोधित किया। डॉ. टण्डन ने वक्ताओं का सम्मान परिचय उद्बोधन के पश्चात् वक्ताओं ने विषय पर गहन और व्यापक व्याख्यान प्रस्तुत किया।

अपने सारांभित उद्बोधन में समाजशास्त्री डॉ. साधना खरे ने भारतीय शिक्षा में गौरवशाली पक्षों को उभारा। उन्होंने कहा कि शिक्षक को बहुविज्ञ होना चाहिए, छात्रों की परिस्थिति को समझें, समटृष्णि बनाएं, शिक्षक की प्रत्येक गतिविधि का छात्रों पर प्रभाव पड़ता है, इसलिए का व्यक्तित्व उत्कृष्ट होना चाहिए। डॉ. खरे ने 'पर्फिटजी और बंस परिचालक' तथा 'प्राध्यापक और उद्योगपति' कहानी



के माध्यम से शिक्षक के भूमिका को ऐचाकित किया। द्वितीय मुख्य वक्ता लेखिका डॉ. कल्पना मिश्रा ने अध्यापन के प्रभावशाली तरीकों पर विशेष बल देते हुए अध्यापन की विभिन्न शैलियों एवं तकनीकों पर प्रकाश डाला। उन्होंने शिक्षक के आंतरिक व बाह्य गुण, आत्मानुशासन, नैतिक मूल्य, सामूहिक कार्य, नेतृत्व क्षमता पर भी ध्यान आकृष्ट किया। शिक्षकों के लिए आयोजित यह कार्यक्रम पूर्णतः सार्थक, उपयोगी एवं शिक्षकों को ऊर्जावान बनाने में उत्साहवर्धक, प्रेरक रहा। शिक्षकों में नई ऊर्जा का संचार हुआ एवं नई तकनीकी के ज्ञान का प्रसार हुआ।

कार्यक्रम के दौरान आईक्यूएसी समन्वयक मनोज साहू ने वक्ताद्वय का वक्तव्य विश्लेषण भी प्रस्तुत किया। प्रतिभागियों की शंकाओं व प्रश्नों का समाधान वक्ताओं के द्वारा किया गया। साथ ही प्रतिभागियों से महत्वपूर्ण सुझाव भी आए। कार्यक्रम के दौरान एमएल धिरही, डॉ. पीएल पटेल, डॉ. सुशीला गोयल, सरला जोगी, अश्वनी पटेल, काश्मीर एक्का, पवन चेतानी, जुवेल केरकेट्रा, शिवाकांत ईंजारदार, जयराम कुर्म, दिनेश संजय, दुष्यंत भोई, रीता सिंह, डॉ. मो. तलहा, डॉ. आकांक्षा मिश्रा, प्रियंका राठौर, अर्जुन झा, डिम्पल अग्रवाल, लैनदास मानिकपुरी सहित लगभग 48 प्राध्यापकों, प्राचार्यों की गरिमामयी ऑनलाइन उपस्थिति रही। डॉ. आरके टण्डन ने कार्यक्रम का संचालन एवं एमके साहू ने आभार व्यक्त किया।